ई-संवादपत्र

अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र

अप्रैल-जून, 2026

आईयूएसी के एक दिवसीय परिचय कार्यक्रम-मोतीहारी बिहार

अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (आईयूएसी), नई दिल्ली द्वारा पेश किए जाने वाले इंस्ट्रूमेंटेशन और सहयोगी अनुसंधान अवसरों और शैक्षणिक कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से भौतिकी विभाग, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), मोतिहारी द्वारा 17 अप्रैल 2026 को "आईयूएसी का एक दिवसीय परिचय कार्यक्रम" सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में आचार्य अविनाश चंद्र पांडेय, निदेशक, आईयूएसी, नई दिल्ली और प्रो. संजय श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, एमजीसीयू मोतिहारी ने अपने प्रेरणादायक भाषण प्रस्तुत किए, जिसमें उच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान सुविधाओं के महत्व और बहु-विषयक दृष्टिकोण के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देने पर प्रकाश डाला गया । प्रोफेसर संतोष कुमार त्रिपाठी, प्रमुख, भौतिकी विभाग, एमजीसीयू और कार्यक्रम के अध्यक्ष ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले विशिष्ट अतिथियों, वक्ताओं, संकाय सदस्यों, शोध छात्रों और अन्य छात्रों का स्वागत किया। स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेज के प्रमुख और कार्यक्रम के संरक्षक प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव ने आधुनिक विज्ञान में त्वरक आधारित अनुसंधान के महत्व पर प्रकाश डाला और विश्वविद्यालयों और प्रमुख राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं के बीच महत्वपूर्ण चर्चा की आवश्यकता पर बल दिया ।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नीलाभ श्रीवास्तव ने आईयूएसी परिचय कार्यक्रम के उद्देश्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की और दिन के तकनीकी सत्रों का अवलोकन प्रदान किया। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने शैक्षणिक और अनुसंधान पेशे को दृढ़ करने के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान अवसंरचनाओं और सहयोगात्मक मंचों का प्रभावी उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया ।

कार्यक्रम में प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों के विशेषज्ञ व्याख्यान सम्मिलित थे:

1. डॉ. रामचरण मीणा, वैज्ञानिक-डी, आईयूएसी
2. डॉ. दीपक कुमार स्वामी, वैज्ञानिक-डी, आईयूएसी
3. प्रो. विजय राज सिंह, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी), गया
4. डॉ. नीरज शुक्ला, एनआईटी पटना
5. डॉ. उदय भान सिंह, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयूजी)

वक्ताओं ने राष्ट्रीय त्वरक सुविधा, आईयूएसी में अनुसंधान सुविधाओं, त्वरक आधारित अनुसंधान, आयन बीम अनुप्रयोगों, सामग्री लक्षण वर्णन, अंतःविषय अनुसंधान अवसरों और आईयूएसी में उपलब्ध उपयोगकर्ता सुविधाओं की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विचारोत्तेजक वार्ता प्रस्तुत की । उन्होंने छात्रों और युवा शोधकर्ताओं को अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत करने, आईयूएसी अनुसंधान सुविधाओं तक पहुंचने, सहयोगात्मक अनुसंधान अवसरों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और अध्येतावृत्ति के विषय में भी प्रोत्साहित किया । कार्यक्रम में एमजीसीयू और आसपास के संस्थानों के लगभग 40-50 छात्रों, शोध छात्रों और संकाय सदस्यों की उत्साही भागीदारी देखी गई।

एक संवादात्मक चर्चा सत्र ने प्रतिभागियों को अनुसंधान पद्धतियों, प्रयोगात्मक तकनीकों और भविष्य के अनुसंधान सहयोग के लिए सकारात्मक परिणाम के साथ वित्त पोषण के अवसरों से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं को हल करने में सहायता की । कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी विशिष्ट अतिथियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजन टीम को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया गया।

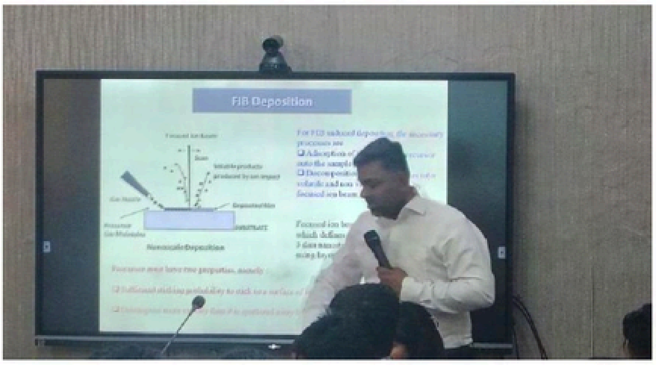

ExpEYES का उपयोग करके अभिनव विज्ञान प्रयोगों पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (18-23 मई 2026)

Eअंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (आईयूएसी) ने एक सप्ताह का राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया, जिसमें भारत भर के 26 शिक्षकों ने व्यावहारिक विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए भाग लिया। आईयूएसी के निदेशक आचार्य अविनाश चंद्र पांडेय द्वारा उद्घाटन किया गया I कार्यक्रम के संसाधन व्यक्तियों—प्रो. ओ. एस. के. एस. शास्त्री (केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश) और प्रो. वंदना लूथरा (गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)—द्वारा अत्यंत सुनियोजित कार्यशाला का संचालन किया गया था। इसमें प्रत्यक्ष (इन-पर्सन) और ऑनलाइन दोनों माध्यमों के 11 विविध विशेषज्ञ व्याख्यान सम्मिलित थे।" पहले दो दिनों के दौरान, प्रतिभागियों ने आधारभूत मुख्य भाषणों—जिनमें प्रयोग और अन्वेषण के माध्यम से विज्ञान पढ़ाना" विषय पर श्री वी. वी. वी. सत्यनारायण का संबोधन और विद्युत चुम्बकीय प्रेरण पर "प्रो. जी. मनोज कुमार के, 'ExpEYESing the Peaks and Valleys of EM Induction' शीर्षक वाले विद्युत चुंबकीय प्रेरण पर वर्चुअल सत्र से लेकर गहन सहयोगात्मक प्रयोगशाला (लैब) कार्य सम्मिलित था। जोड़ों में काम करते हुए, शिक्षकों ने ओपन-सोर्स ExpEYES इकोसिस्टम में सफलतापूर्वक महारत हासिल की और यांत्रिकी, विद्युत, और इलेक्ट्रॉनिक्स के कई प्रयोगों को क्रियान्वित किया।इस पाठ्यक्रम ने परंपरा और तकनीक के बीच बहुत ही अच्छा से तालमेल बिठाया। इसके शुरुआती चरण का समापन ट्रैकर वीडियो विश्लेषण पर अत्याधुनिक सत्रों और 'एजेंटिक एआई: द ऐप डेवलपर' पर प्रो. शास्त्री के इंटरैक्टिव सत्र के साथ हुआ, जिससे प्रतिभागी अपने संस्थानों में आधुनिक और कम लागत वाले प्रायोगिक ढांचे) को लागू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हो गए।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों और संयोजकों के साथ आईयूएसी के निदेशक आचार्य अविनाश चंद्र पांडेय

"प्रशिक्षण कार्यक्रम के मध्य चरण में उन्नत सॉफ्टवेयर एकीकरण और जटिल उपकरण विज्ञान को समाविष्ट किया गया, जिसने ओपन-सोर्स प्रोग्रामिंग तथा प्रायोगिक भौतिकी के साथ जोड़ता है । तीसरे और चौथे दिन सॉफ्टवेयर महारत पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसकी शुरुआत श्री यतेश डबास और श्री वी. सत्यनारायण के नेतृत्व में पायथन प्रोग्रामिंग की बुनियादी बातों के साथ हुई । आईयूएसी कंप्यूटर समूह द्वारा समर्थित, प्रतिभागियों ने इनपुट पढ़ने और रियल टाइम साइन तरंगों को प्लॉट करने जैसे कार्यों को स्वचालित करने के लिए सीधे पायथन-टू- ExpEYES संचार स्थापित करने के लिए आवश्यक सॉफ़्टवेयर संस्थापित किया । ExpEYES के एंड्रॉइड संस्करण और डॉ. अजित कुमार बीपी (फिनिक्स परियोजना के सह-संस्थापक) द्वारा दृश्य ब्लॉक प्रोग्रामिंग पर एक प्रेरणादायक ऑनलाइन सत्र के माध्यम से शिक्षाशास्त्र मोबाइल प्लेटफॉर्म तक विस्तारित हुआ, जिसका शिक्षकों ने तुरंत अपने स्मार्टफोन पर अभ्यास किया । प्रो. वंदना लूथरा (गार्गी कॉलेज) ने फिर डायोड आई-वी विशेषताओं के चरण-दर-चरण प्रोग्रामिंग प्रदर्शन के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया, जो दस सहयोगी टीमों के गठन में परिणत हुआ, जिन्हें ग्यारह अलग-अलग परियोजनाओं को सौंपा गया था।

कार्यक्रम ने चौथे दिन गति पकड़ते हुए प्रतिभागियों को उच्च-स्तरीय अनुसंधान उपकरणों और नाभिकीय भौतिकी ढांचे से अवगत कराया । डॉ . जॉबी एंटनी ने भविष्य के शैक्षणिक अनुसंधान सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र की उच्च निष्पादन कम्प्यूटिंग(एचपीसी) सुविधा का परिचय दिया, जबकि डॉ. राजेश बी.एम. (आर.वी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु) ने एक ऑनलाइन केस स्टडी साझा की जिसमें यह प्रदर्शित किया गया कि कैसे उनके अपने छात्रों ने मुख्य ExpEYES GUI में एक कस्टम एलसीआर रिस्पांस मेनू को सफलतापूर्वक एकीकृत किया । इसके बाद एक प्रमुख तकनीकी आकर्षण के रूप में श्री वी. वी. वी. सत्यनारायण द्वारा (आईयूएसी) द्वारा विकसित अल्फा स्पेक्ट्रोमीटर का विस्तृत अवलोकन और प्रदर्शन किया गया। परिवर्ती वैक्यूम स्तरों के तहत 241 स्रोत का उपयोग करते हुए, उन्होंने सावधानीपूर्वक सिग्नल प्रोसेसिंग श्रृंखला की व्याख्या की - जिसमें प्री-एम्पलीफायरों, शेपिंग एम्पलीफायरों और पीक-सेंसिंग एडीसी शामिल हैं। श्री ओम मिश्रा और श्री अजय द्वारा तकनीकी रूप से समर्थित शिक्षकों ने शेष घंटे अपने कस्टम एप्लिकेशन बनाने में बिताए, जिसका शानदार समापन प्रो. लूथरा द्वारा क्वांटम कंप्यूटिंग पर एक उन्नत व्याख्यान और नवीन समूह परियोजना प्रस्तुतियों की बहुप्रतीक्षित शुरुआत के साथ हुआ।"

प्रतिभागियों द्वारा परियोजना की तैयारी

कार्यक्रम के अंतिम चरण में राष्ट्रीय अनुसंधान बुनियादी संरचना और शिक्षकों के नवाचारों को प्रदर्शित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया । पांचवें दिन की शुरुआत श्री सुनील ओझा (वैज्ञानिक-जी, आईयूएसी) द्वारा "आईयूएसी में त्वरक" पर एक प्रभावशाली प्रस्तुति के साथ हुई, जिन्होंने केंद्र की विविध कण त्वरक सुविधाओं और उनके संबंधित ऊर्जा स्तरों का विवरण दिया। इसके तुरंत बाद मुख्य नियंत्रण कक्ष, डेटा कक्ष, बीम हॉल और प्रायोगिक सुविधाओं का एक व्यापक निर्देशित दौरा किया गया। इसने भारतीय शैक्षणिक समुदाय के लिए उपलब्ध उन्नत संसाधनों का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया, जिससे शिक्षकों को अपने भविष्य के संस्थागत अनुसंधान के लिए आईयूएसी सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया ।

शेष सत्र सहकर्मी मूल्यांकन और परियोजना वितरण के लिए समर्पित थे। अंतिम दो दिनों में, दस सहयोगी समूहों ने अपनी ग्यारह अंतिम परियोजनाओं को प्रस्तुत किया, जिनमें से अधिकांश ने ExpEYES इंटरफेस के माध्यम से सीधे कार्यान्वित अत्यधिक नवीन, ओपन-सोर्स विचारों का प्रदर्शन किया ।

प्रशिक्षण का समापन एक आधिकारिक विदाई सत्र के साथ हुआ, जहां प्रो. वंदना लूथरा और श्री वी.वी.वी सत्यनारायण द्वारा भागीदारी प्रमाण पत्र वितरित किए गए। अपने समापन भाषण में, प्रो. लूथरा ने आईयूएसी के स्थायी प्रयासों की सराहना की और श्री सत्यनारायण को देश भर के शीर्ष स्तर के शिक्षण संकाय को निरंतर शामिल करके इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए बधाई दी । अंत में प्रतिभागी शिक्षकों से आग्रह किया गया कि वे अपनी नई विशेषज्ञता को स्थानीय कार्यशालाओं का आयोजन करके, ExpEYES को पारंपरिक कॉलेज प्रयोगशालाओं में एकीकृत करके और भविष्य के शैक्षिक विकास को सहयोगात्मक रूप से साझा करने के लिए व्हाट्सएप के माध्यम से एक सक्रिय डिजिटल समुदाय बनाए ।

****

आयन पुंज द्वारा अभिकल्पित पदार्थों में विद्युत प्रवाह संरचना तथा स्पेक्ट्रोसकोपी के निरूपण पर अंतर्राष्ट्रीय स्कूल

आयन पुंज द्वारा अभिकल्पित पदार्थों में विद्युत प्रवाह संरचना तथा स्पेक्ट्रोसकोपी के निरूपण पर 12-15 मई 2026 तक अंतर्राष्ट्रीय स्कूल आयोजित किया गया। इस स्कूल में 50 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें 14 आमंत्रित वक्ता और भारत के विभिन्न भागों से 23 विश्वविद्यालयों/संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले 23 प्रतिभागी सम्मिलित हुए । इस स्कूल में, विभिन्न संरचनात्मक (XRD, XRR), विद्युत प्रवाह (डाइलेक्ट्रिक, मैग्नेटो-ट्रांसपोर्ट, ध्रुवीकरण माप, सीबेक प्रभाव), स्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीक (रमन, FTIR, XPS), आदि को फोटोडिटेक्टर, सौर कोशिकाओं, नाभिकीय अपशिष्ट प्रबंधन में उनके अनुप्रयोग के साथ विस्तार से समझाया गया है । पदार्थ संशोधन और लक्षण वर्णन में आयन पुंज की भूमिका के बारे में भी 2 व्याख्यान नियोजित थे। आईयूएसी त्वरक और पदार्थ विज्ञान ऑफ़लाइन लक्षण वर्णन सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रतिभागियों के लिए इन सुविधाओं के दौरे की भी योजना बनाई गई थी। विभिन्न सैद्धांतिक मॉडलों का उपयोग करके प्रायोगिक डेटा और उनके फिटिंग के लिए सत्र भी आयोजित किए गए । प्रायोगिक डेटा को विभिन्न लक्षण वर्णन तकनीकों जैसे XRR, XRD, XPS और रदरफोर्ड बैक स्कैटरिंग प्रयोग के लिए फिट किया गया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

11 मई

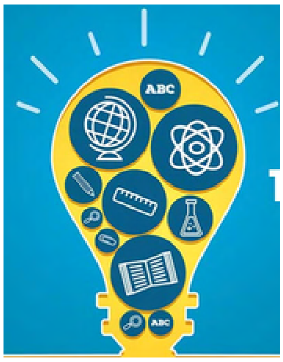

28वां राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस “जिम्मेदार नवाचार के माध्यम से समावेशी विकास और एआई” विषय के अंतर्गत महर्षि कणाद सभागार, आईयूएसी में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया । इस कार्यक्रम का आयोजन एक इंटरैक्टिव कार्यशाला के रूप में किया गया , जिसमें दिल्ली NCR के विभिन्न विद्या लयों से लेकर B.Tech. स्तर तक के विद्यार्थी तथा शिक्षक शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके पश्चात राष्ट्रीय गीत “वंदे मातरम्” प्रस्तुत किया गया । इस अवसर पर विशिष्ट वक्ता ओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए, जिनमें प्रो .शिवकुमार कल्याणरमन (सीईओ - ANRF), श्री मनु को रुल्ला (विशिष्ट प्राध्यापक, डीआरडीओ), प्रो . भास्कर कनसारी (IIT दिल्ली), प्रो. दयाल सिंह (राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय), डॉ . जो बी तथा आईयूएसी के प्रतिभागी विद्यार्थी शामिल थे। उनके प्रेरणादायक व्याख्यानों ने जिम्मेदार तकनीकी नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा समावेशी विकास के महत्व को रेखांकित किया, जो एक मजबूत भारत के निर्माण के लिए आवश्यक हैं।

लगभग 300 छात्रों और शिक्षकों ने पोस्टर प्रस्तुतियों एवं परियोजना प्रदर्शन के माध्यम से उत्साहपूर्वक भाग लिया । यह समारोह पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया, जिसमें प्लास्टिक-मुक्त और फ्लेक्स-मुक्त परिसर रखा गया तथा कपड़े के बैनर एवं न्यूनतम प्रदर्शनी सामग्री का उपयोग किया गया ।

भारतीय हस्तशिल्प एवं हथकरघा को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रया स किए गए। प्रतिभागियों के लिए वर्कशॉप बैग पूर्वोत्तर भारत के इम्फाल से सीधे मंगवाए गए, जिससे स्थानीय कारीगरों एवं स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन मिला । विभिन्न प्रयोगशालाओं द्वारा प्रस्तुत इन-हाउस तकनीकी प्रदर्शन स्टॉल कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहे। इन प्रदर्शनियों का उद्घाटन अतिथियों द्वारा किया गया और सभी उपस्थित लोगों ने इसकी सराहना की ।

कार्यक्रम के दौरान पोस्टर एवं परियोजना प्रतियोगिता के सभी विजेताओं सहित सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया । इस सफल आयोजन को समिति के सभी सदस्यों , स्वयंसेवकों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा निदेशक कार्यालय के सहयोग और समर्पित प्रयासों से संभव बनाया गया ।

पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी विज्ञान भारती और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के स्टॉल समारोह का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे, जिन्होंने छात्रों एवं आगंतुकों को विशेष रूप से आकर्षित किया ।

प्रतिभागी छात्रों और शिक्षकों से फीडबैक अभी प्रतीक्षित है। संयोजक ने शिक्षकों को प्रेरित किया कि वे अपने-अपने विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में तकनीकी /अभियंता/विज्ञान दिवस का आयोजन अपने तरीके से करें, ताकि सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

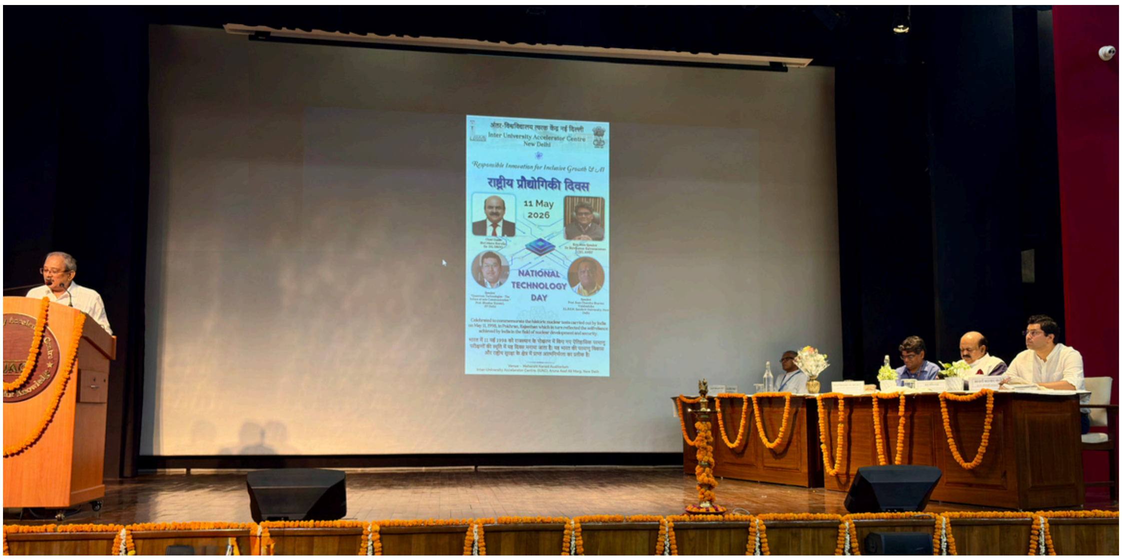

IMG_3473.JPG
QUANTUM
WARFARE

DHARTI
MITRA

बीएससी ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

बी.एससी (भौतिकी/अनुप्रयुक्त भौतिकी/अनुसंधान) और इंटीग्रेटेड एमएससी (भौतिकी/अनुप्रयुक्त भौतिकी) छात्रों के लिए दिनांक 1 जून से 29 जून, 2026 तक आईयूएसी ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम-2026 का आयोजन किया गया था । ऑनलाइन चयन प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त 429 आवेदनों में से कुल 23 छात्रों को कार्यक्रम के लिए चुना गया था। चयनित प्रतिभागियों ने भारत के मणिपुर से राजस्थान और जम्मू से केरल तक विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सम्मिलित करते हुए एक व्यापक भौगोलिक विविधता का प्रतिनिधित्व किया। ये छात्र अपने-अपने क्षेत्रों के सबसे मेधावी अभ्यर्थियों में से थे । कार्यक्रम का संचालन श्री यशराज, वैज्ञानिक-डी और श्री बप्पा कर्माकर, वैज्ञानिक-डी द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम के दौरान, छात्रों को प्रयोगात्मक नाभिकीय भौतिकी, पदार्थ विज्ञान, परमाणु और आणविक भौतिकी, त्वरक भौतिकी, त्वरक द्रव्यमान स्पेक्ट्रोमेट्री और भूकालानुक्रम सहित अनुसंधान क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में परियोजना विषयों को सौंपा गया था। प्रत्येक प्रतिभागी ने आईयूएसी में वैज्ञानिकों, अभियंताओं और अनुसंधान सहयोगियों के मार्गदर्शन में एक शोध परियोजना की ।

कार्यक्रम का शुभारंभ आईयूएसी के निदेशक आचार्य अविनाश चंद्र पांडेय की अध्यक्षता में उद्घाटन सत्र के साथ हुआ, जिन्होंने उद्घाटन भाषण दिया । परियोजना कार्य के अतिरिक्त, पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रख्यात वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों द्वारा विशेष व्याख्यानों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। व्याख्यानों में भौतिकी, उपकरण, उभरते अनुसंधान क्षेत्रों और वैज्ञानिक संचार में विविध विषयों को सम्मिलित किया गया । व्याख्यान श्रृंखला में न केवल कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने बल्कि आईयूएसी के कर्मचारियों, शोध छात्रों और आगंतुकों ने भी उपस्थिति सुनिश्चित की। आमंत्रित वक्ताओं और उनके व्याख्यान विषयों की सूची नीचे दी गई है:

वक्ता	**व्याख्यान का शीर्षक**
प्रो. के त्यागराजन (पूर्व प्रोफेसर आईआईटी दिल्ली)	100 years of an equation that brought us closer to reality
प्रो. पैट्रिक दास गुप्ता (पूर्व प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय)	Black Holes: Astrophysical and Primordial
श्री वी.वी.वी सत्यनारायण (अभियंता-डी, आईयूएसी)	Experiments for Young Engineers and Scientists (ExpEYES)
आचार्य अविनाश चंद्र पांडेय (निदेशक, आईयूएसी)	From Atom to Energy: Understanding Nuclear Power and its impact on human life
आशीष कुमार धर (डेटा सुरक्षा और गोपनीयता सलाहकार)	Digital Hygiene and Data Security
डॉ. अभिलाष नारायणन (इसरो, तिरुवनंतपुरम)	Basics of Space Flight and Indian Space Program

कार्यक्रम के भाग के रूप में, आईयूएसी के त्वरक और प्रायोगिक सुविधाओं का एक निर्देशित दौरा आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को केंद्र के अत्याधुनिक अनुसंधान बुनियादी ढांचे और प्रायोगिक सुविधाओं से प्रत्यक्ष रूप से अवगत कराया गया, जिससे उनके समग्र सीखने के अनुभव को समृद्ध किया गया।

कार्यक्रम के समापन की ओर, प्रत्येक छात्र ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान किए गए शोध का सारांश देते हुए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की। अंतिम दिन, सभी छात्रों ने डॉ. बी. के. साहू (वैज्ञानिक-एच), डॉ. फौरन सिंह (वैज्ञानिक-जी), श्री सुनील ओझा (वैज्ञानिक-जी), श्री अभिषेक राय (वैज्ञानिक-जी), और डॉ. के. एस. गोल्डा (वैज्ञानिक-एफ) के मूल्यांकन पैनल के समक्ष अपना कार्य प्रस्तुत किया। परियोजना कार्य की गुणवत्ता, लिखित रिपोर्ट और मौखिक प्रस्तुतियों के आधार पर, पांच परियोजनाओं को सर्वश्रेष्ठ परियोजना पुरस्कार के लिए चुना गया। पुरस्कार पाने वाली महिलाएं सुहानी नंदा, इशिता शर्मा, प्रेक्षा चौधरी, पट्टनाथ पार्वती और सोहिनी साहा हैं।

कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र और चयनित छात्रों को सर्वश्रेष्ठ परियोजना पुरस्कार वितरण के साथ हुआ, जिसके बाद आईयूएसी के निदेशक आचार्य अविनाश चंद्र पांडेय का विदाई भाषण और समापन भाषण हुआ।

बी.एससी. ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम-2026 के प्रतिभागियों का परामर्शदाताओं, परियोजना मूल्यांकन पैनल और आयोजन समिति के सदस्यों के साथ एक समूह चित्र।

****

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून

"योगः कर्मसु कौशलम्॥"

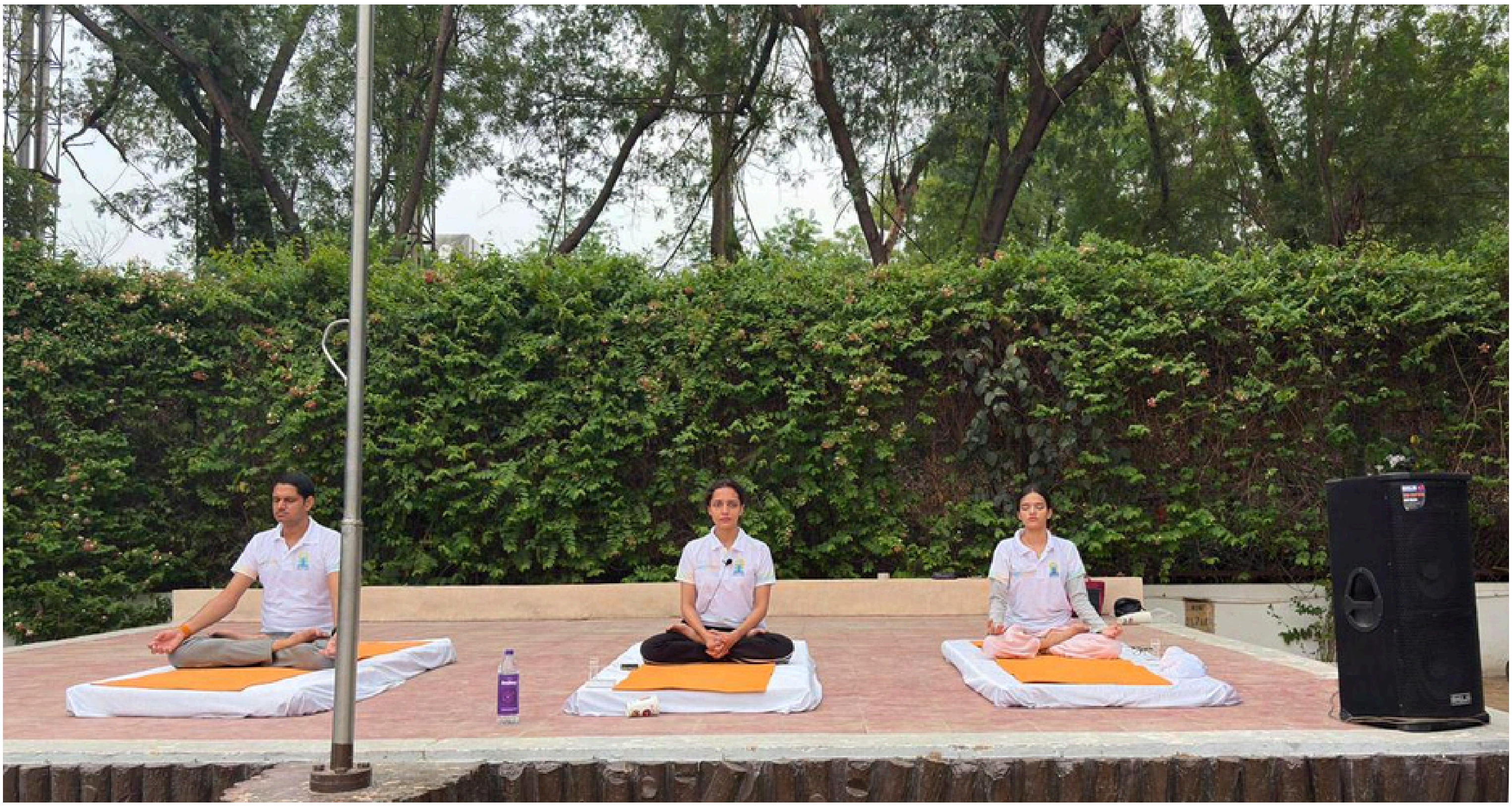

हिंदी कार्यशाला

राजभाषा प्रकोष्ठ

29 जून, 2026

राजभाषा नियमों के अनुपालन में वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में दिनांक 29 जून, 2026 को प्रशासन विभाग के नामित कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. ओम प्रकाश, सहायक आचार्य, हिंदी संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया ।

कार्यशाला में “हिंदी तिमाही रिपोर्ट और राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3)” विषय पर विस्तृत चर्चा की गई ।

“हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्ट और धारा 3(3)” पर कार्यशाला